>

Title: Need to ensure supply of pure drinking water to the people of Rajasthan.

डॉ. ज्योति मिर्धा (नागौर): माननीय सभापति महोदय, आपने मुझे बोलने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देती हूं। शुद्ध पेयजल आपूर्ति की अरबों रुपये की सरकारी योजनाओं और प्रयासों के बावजूद लगभग आधा राजस्थान जहरीला पानी पीने को मजबूर है। एक से अधिक खराब गुणवत्ता फ्लोराइड, नाइट्रेट, लवणीय, आर्सेनिक, आयरन वाले पेयजल से प्रभावित देश के कुल ग्रामों का लगभग 44 प्रतिशत ग्राम राजस्थान में हैं। राज्य के भूजल में फ्लोराइड की मात्रा काफी अधिक है। राजस्थान देश का सर्वाधिक फ्लोराइड प्रभावित राज्य है। देश के कुल फ्लोराइड प्रभावित गावों और ढाणियों में से 25.72 प्रतिशत राजस्थान राज्य में है। केन्द्र सरकार के पेयजल आपूर्ति विभाग डी.डी.डब्ल्यू.एस. की ताजा रिपोर्ट से यह खुलासा होता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि राजस्थान में 48 प्रतिशत जलस्रोतों का पानी पीने योग्य नहीं है। राज्य के प्रमुख जलस्रोतों हैंडपम्प, कुओं व ट्यूबवैलों में एकत्र इन नमूनों में 55881 नमूनों का पानी दूषित मिला। इसमें नाइट्रेट की मात्रा 45 पी.पी.एम. और फ्लोराइड की प्रेस्क्राइब्ड मात्रा जो 1.5 पी.पी.एम होनी चाहिए, उससे कहीं ज्यादा इस पानी में मिली है। फ्लोराइड की वजह से फ्लोरोसिस हो जाता है, जिसके कारण नागौर, जो मेरा संसदीय क्षेत्र है, उससे अजमेर तक के हिस्से को कूबड़पट्टी कहा जाता है।

मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि राजस्थान को इसके लिए विशेष दर्जा दिया जाए और पानी की तकलीफ से निजात दिलाई जाए।

MR. CHAIRMAN: Shri Devji M. Patel associated himself with the matter raised by Dr. Jyoti Mirdha.